

स्मार्ट सर्टिज़ मशिन के लिये थर्ड-पार्टी ऑडिट

प्रलिस के लिये:

स्मार्ट सर्टिज़ मशिन, केंद्र परायोजति योजना, सतत विकास, वशेष परयोजय वाहन (SPV), सारवजनकि-नजिी भागीदारी (PPP), शहरी, कायाकलप और शहरी परविरतन के लिये अटल मशिन (अमृत), प्रधानमंतरी आवास योजना-शहरी (PMAY-U), कलाइमेट स्मार्ट सर्टिज़ असेसमेंट फ्रेमवर्क 2.0

मेन्स के लिये:

[स्मार्ट सर्टिज़ मशिन का वशिलेषण](#)

[स्रोत: लाइव मटि](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में आवास और शहरी मामलों पर एक [संसदीय स्थायी समति](#) ने [स्मार्ट सर्टिज़ मशिन \(SCM\)](#) के तहत परयोजनाओं के थर्ड-पार्टी असेसमेंट (तृतीय-पक्ष मूल्यांकन) की मांग की है।

- इसका उद्देश्य वशेष रूप से छोटे शहरों में कार्यान्वयन में आने वाली कमथियों को दूर करना है।

संसदीय स्थायी समति:

- परचिय:
 - स्थायी समतियिँ स्थायी होती हैं (प्रत्येक वर्ष या समय-समय पर गठति) और नरितर आधार पर कार्य करती हैं।
- समतियिँ के प्रकार:
 - उनके कार्य, सदस्यता और कार्यकाल के आधार पर समतियिँ को दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है: [स्थायी समतियिँ](#) और [तदर्थ समतियिँ](#)।
- स्थायी समतियिँ को 6 प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है:
 - वत्तीय समतियिँ
 - [वभागीय स्थायी समतियिँ](#)
 - जाँच समतियिँ
 - जाँच और नरितरण के लिये समतियिँ
 - सदन के दिन-प्रतदिनि के कामकाज से संबंधति समतियिँ
 - गृह व्यवस्था समतियिँ या सेवा समतियिँ
- तदर्थ समतियिँ अस्थायी प्रकृत की होती हैं और उन्हें सौंपे गए कार्य पूरे होने के बाद भंग कर दिया जाता है। इन्हें आगे नमिन भागों में वभाजति किया गया है:
 - जाँच समतियिँ
 - सलाहकार समतियिँ

SCM के लिये थर्ड-पार्टी ऑडिट की क्या आवश्यकता है?

- मूल्यांकन और पारदर्शति: थर्ड-पार्टी असेसमेंट (तृतीय-पक्ष मूल्यांकन) SCM के तहत परयोजना की प्रगत और प्रभाव का नषिपक्ष वशिलेषण प्रदान करते हैं, जिससे कार्यान्वयन अंतराल तथा सुधार के कषेत्रों की पहचान करने में मदद मलित है।
 - वे [पारदर्शति](#) भी बढ़ाते हैं तथा नागरकिों, सरकारी नकियों और नवशकों सहति हतिधारकों के बीच वशिवास को बढ़ावा देते हैं।
- साक्ष्य-आधारति नीति: इससे यह पता लगा सकता है कि शहरी विकास में [वशेष परयोजय वाहनों \(SPV\)](#) की वशेषजता

को **अमृत** और **DAY-NULM** जैसी अन्य पहलों पर कैसे लागू किया जा सकता है, जिससे शहरी परिवर्तन कार्यक्रमों के व्यापक प्रभाव को बढ़ाया जा सके।

- **असमानताओं को दूर करना:** बड़े शहर बेहतर संसाधनों के कारण अच्छा प्रदर्शन करते हैं, जबकि छोटे शहरों, विशेष रूप से पूर्वोत्तर में, परियोजना नविषादन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, इसलिये स्वतंत्र ऑडिट इन असमानताओं को उजागर कर सकते हैं और सुधार का सुझाव दे सकते हैं।
 - इसके अलावा, थर्ड-पार्टी असेसमेंट (तृतीय-पक्ष मूल्यांकन) से टयिर 2 शहरों के लिये रणनीति तैयार की जा सकती है, जिससे संतुलित विकास को बढ़ावा मिलेगा और महानगरीय क्षेत्रों में भीड़भाड़ कम होगी।
- **शहरी स्थानीय निकायों (ULB) को मज़बूत करना:** कई **ULB** में SCM के तहत बड़े पैमाने की परियोजनाओं का प्रबंधन करने के लिये तकनीकी और वित्तीय क्षमता का अभाव है।
 - तृतीय-पक्ष मूल्यांकन (तृतीय-पक्ष मूल्यांकन) शहरी नियोजन और शासन को बढ़ाने के लिये सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान कर सकता है, साथ ही सूचि नीति निर्माण तथा कुशल संसाधन आवंटन के लिये डेटा-संचालित अंतरदृष्टि प्रदान कर सकता है।
- **भावी योजना और स्थिरता: यह SCM के भावी चरणों की योजना बनाने, स्थिरता सुनिश्चित करने और शहरी विकास आवश्यकताओं के साथ संरेखण के लिये बहुमूल्य अंतरदृष्टि प्रदान करेगा।**
 - वे आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय कारकों पर विचार करते हुए शहरी विकास के लिये अधिक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने में भी योगदान देते हैं।

स्मार्ट सटीज़ मशिन (SCM) क्या है?

- **परिचय: SCM एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसे जून 2015 में शुरू किया गया था जिसका उद्देश्य भारत के 100 शहरों को आवश्यक बुनियादी ढाँचा प्रदान करके उनका रूपांतरण करना है।**
 - इसके अतिरिक्त, "स्मार्ट सॉल्यूशंस" के अनुप्रयोग के माध्यम से अपने नागरिकों को जीवन की सभ्य गुणवत्ता प्रदान करने के लिये शहरों में एक स्वच्छ और धारणीय वातावरण प्रदान करना।
- **उद्देश्य:**
 - **संसाधनों, हरित स्थानों और पर्यावरणीय स्थिरता के कुशल उपयोग को बढ़ावा देना।** स्वच्छ जल, विद्युत, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवा और सार्वजनिक सुविधाओं तक पहुँच सुनिश्चित करना।
 - **डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-गवर्नेंस और नागरिक भागीदारी के माध्यम से शासन को बेहतर बनाना।** विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के लिये कफ़ायती आवास समाधान प्रदान करना।
 - **स्मार्ट यातायात प्रबंधन के साथ सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों में सुधार करना और भीड़भाड़ को कम करना।**
 - **नगरानी और आपातकालीन सेवाओं के माध्यम से नागरिकों, विशेष रूप से कमज़ोर समूहों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।** सेवाओं तथा सूचनाओं तक नरिबाध पहुँच के लिये मज़बूत IT बुनियादी ढाँचे का निर्माण करना।
 - **अन्य शहरों के लिये अनुकरणीय सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करने हेतु आदर्श शहर विकसित करना।**
- **मुख्य घटक:**
 - **क्षेत्र-आधारित विकास:**
 - **पुनर्विकास:** उन्नत बुनियादी ढाँचे के साथ मौजूदा शहरी क्षेत्रों का उन्नयन (उदाहरणार्थ, भंडी बाज़ार, मुंबई)।
 - **रेट्रोफिटिंग:** मौजूदा इलाकों में बुनियादी ढाँचे का आधुनिकीकरण (उदाहरण के लिये, अहमदाबाद का स्थानीय क्षेत्र विकास)।
 - **ग्रीनफील्ड विकास:** नए, धारणीय शहरी स्थानों का निर्माण (जैसे- न्यू टाउन कोलकाता, गफिट सटी)।
 - **पैन-सटी सॉल्यूशंस:**
 - **ई-गवर्नेंस, अपशिष्ट और जल प्रबंधन, शहरी गतिशीलता तथा ऊर्जा दक्षता जैसे क्षेत्रों में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) समाधानों को अपनाना।**
- **शासन संरचना:** नौकरशाहों या उद्योग प्रतिनिधियों के नेतृत्व में **कंपनी अधिनियम, 2013** के तहत स्थापित **वर्षीय प्रयोज्य वाहनों (SPV)** के माध्यम से कार्यान्वयन।
 - वित्तपोषण के लिये **सार्वजनिक-नजी भागीदारी (PPP) मॉडल** पर जोर दिया जाएगा।

नोट: SCM के अंतर्गत प्रमुख विकास

- **पूरण की गई परियोजनाएँ:**
 - प्रारंभ में इसे **वर्ष 2020** तक पूरा करने के लिये निर्धारित किया गया था, लेकिन SCM की समय-सीमा को मार्च 2025 तक बढ़ा दिया गया।
 - 3 जुलाई 2024 तक, **1.6 लाख करोड़ रुपए की 8,000 से अधिक बहु-क्षेत्रीय परियोजनाओं** में से 1,44,237 करोड़ रुपए की **7,188 परियोजनाएँ (90%) पूरी हो चुकी हैं।**
 - **शेष 830 परियोजनाएँ** जनिकी लागत 19,926 करोड़ रुपए है, **कार्यान्वयन के उन्नत चरण में हैं।**
- **वित्तीय प्रगत:**
 - भारत सरकार ने 48,000 करोड़ रुपए आवंटित किये, जिनमें से 46,585 करोड़ रुपए **(97%) शहरों को जारी किये जा चुके हैं।**
 - जारी धनराशिका **93%** उपयोग किया जा चुका है।
 - मशिन के अंतर्गत **74 शहरों** को पूरण वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है।

SCM परियोजनाओं के कार्यान्वयन में क्या चुनौतियाँ हैं?

- **लागत और वित्तपोषण:** स्मार्ट सर्टि बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये मौजूदा प्रणालियों को उन्नत करने, सेंसर लगाने और नेटवर्क को बनाए रखने में महत्वपूर्ण नविश की आवश्यकता होती है।
 - जबकि 74 शहरों को उनके केंद्रीय हिससे का 100% हिससा मिला चुका है, परियोजनाओं की धीमी प्रगतिके कारण 26 शहरों को अभी भी पूर्ण धनराशि प्राप्त नहीं हुई।
- **वसिथापन और सामाजिक प्रभाव:** विश्व बैंक के अनुसार, भारत के शहरी क्षेत्रों में 49% से अधिक आबादी मलिन बस्तियों में रहती है।
 - स्मार्ट सर्टि परियोजनाओं के कार्यान्वयन के कारण गरीब क्षेत्रों के नवासियों, जैसे कसिडक विक्रेताओं, को वसिथापति होना पड़ा है, जिससे शहरी समुदायों का ताना-बाना बाधति हुआ है।
- **परियोजना पूर्ण होने में वलिंब:** समय सीमा बढ़ाए जाने के बावजूद, बड़ी संख्या में परियोजनाएँ (लगभग 10%) अभी भी अपूर्ण हैं, जो नषिपादन में वलिंब को दर्शाता है।
 - इसका कारण अपर्याप्त योजना, तकनीकी वशिषज्जता का अभाव, तथा भूमिअधगिरहण एवं मंजूरी में समस्याएँ हो सकती हैं।
- **गोपनीयता और डेटा सुरक्षा:** सेंसरों, उपकरणों और नागरिकों से वशिाल मात्रा में डेटा का संग्रह और वशि्लेषण, डेटा उल्लंघन, अनधकृत पहुंच और दुरुपयोग के बारे में चतिाएँ पैदा करता है।
 - जनता का वशिवास बनाने के लिये मजबूत साइबर सुरक्षा सुनिश्चति करना, गोपनीयता की रक्षा करना और स्पष्ट डेटा शासन नीतियों को लागू करना आवश्यक है।
- **समन्वय का अभाव:** प्राथमकताओं में अंतर, नौकरशाही बाधाओं और भूमिकाओं और ज़मिमेदारियों में स्पष्टता की कमी के कारण केंद्र, राज्य और स्थानीय सरकारों के बीच प्रभावी समन्वय एक चुनौती रहा है, जिससे मशिन के नरिबाध कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न हुई है।
- **स्थरिता संबंधी चतिाएँ:** स्मार्ट सर्टि परियोजनाओं की दीर्घकालिक स्थरिता के बारे में संदेह है, क्योंकि उनमें से कई शहरी नयिोजन और शासन के मूलभूत मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय प्रौद्योगिकी-संचालित समाधानों पर ध्यान केंद्रति करती हैं।
 - SCM ने स्मार्ट शहर के लिये एक सार्वभौमिक परभाषा के अभाव को स्वीकार किया है।

शहरी विकास से संबंधित अन्य सरकारी पहल क्या हैं?

- [शहरी कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिये अटल मशिन \(अमृत\)](#)
- [प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी \(PMAY-U\)](#)
- [क्लाइमेट स्मार्ट सर्टिज असेसमेंट फ्रेमवर्क 2.0](#)
- [ट्यूलिप- द अरबन लर्निंग इंटरनशलि परोगराम](#)

आगे की राह

- **फंडिंग संबंधी समस्या का समाधान :** PPP मॉडल पर वचिार करने तथा केंद्रीय, राज्य और अंतर्राष्ट्रीय वतितीय सहायता प्राप्त करने की आवश्यकता है। कुशल उपयोग और समय पर परियोजना प्रगतिके लिये पारदर्शी नधिआवंटन और नयिमति निगरानी सुनिश्चति करना।
- **क्षमता नरिमाण:** क्षमता नरिमाण कार्यक्रमों और पुनर्र्गठन तथा कौशल विकास के लिये केंद्र सरकार के समर्थनके माध्यम से शहरी स्थानीय नकियाँ (ULB) को मजबूत करने से वशिष रूप से छोटे शहरों में शासन और परियोजना नषिपादन में वृद्धिहोगी।
 - भारत को अन्य विकासशील देशों के साथ सहयोग करके तथा क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर स्मार्ट सर्टि पहलों में तेज़ी लाने के लिये ज्ञान-साझाकरण मंच स्थापति करके सतत शहरी विकास में अपने नेतृत्व का लाभ उठाना चाहिये।
- **समय पर परियोजना पूर्ण करना:** वसितृत नयिोजन को प्राथमकता देने, भूमिअधगिरहण जैसी बाधाओं को दूर करने तथा वशिष परियोजना प्रबंधन दल तैनात करने की आवश्यकता है। तेज़ी से नषिपादन के लिये समय पर अनुमोदन और मंजूरी सुनिश्चति करने के लिये नौकरशाही प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थति करना।
- **डेटा सुरक्षा सुनिश्चति करना:** पारदर्शति और गोपनीयता सुनिश्चति करने के लिये मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों और स्पष्ट शासन ढाँचे के साथ एक व्यापक डेटा सुरक्षा नीति स्थापति करना।
 - इसके अलावा, वशिवास बनाने और डेटा के दुरुपयोग के बारे में चतिाओं को दूर करने के लिये सार्वजनिक जागरूकता को बढ़ावा दिया जाना चाहिये।
- **स्थरिता और दीर्घकालिक योजना:** स्मार्ट सर्टि परियोजनाओं को नयिोजन में पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक वचिारों को एकीकृत करके स्थरिता को प्राथमकता देनी चाहिये।
 - स्मार्ट सर्टि बुनियादी ढाँचे की दीर्घायु और अनुकूलनशीलता सुनिश्चति करने के लिये दीर्घकालिकसंचालन और रखरखाव (O&M) रणनीतियों का विकास महत्त्वपूर्ण होगा।

नषिकर्ष

छोटे शहरों में थर्ड-पार्टी असेसमेंट और क्षमता नरिमाण के लिये सफिराशिन स्मार्ट सर्टिज मशिन में मजबूत तंत्र की आवश्यकता को उजागर करती हैं। समय पर हस्तक्षेप, शासन सुधार और प्रभाव आकलन से कार्यावाही योग्य अंतर्र्दृष्टि मौजूदा चुनौतियों का समाधान कर सकती है और भारत में अधिक समावेशी और प्रभावी शहरी परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

?????? ???? ?????:

प्रश्न: भारत में स्मार्ट सटीज मशिन के समक्ष आने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिये। इन चुनौतियों से नपिटने के लिये उपाय सुझाएँ और सतत् शहरी वकिस को बढावा देने में मशिन की प्रभावशीलता सुनशिचति कीजिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. भारत में नगरीय जीवन की गुणता की संक्षपित पृषठभूमि के साथ, 'स्मार्ट नगर कार्यक्रम' के उद्देश्य और रणनीतबिताइए। (2016)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/third-party-audit-for-smart-cities-mission>

